चित्रकूट 10 नवम्बर। जानकीकुण्ड चिकित्सालय में 8 नवम्बर को हृदय रोग शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें फोर्टिस इसकार्ट इन्स्टीट्यूट रिसर्च सेंटर नई दिल्ली के निदेशक डा0 युगल मिश्रा, डा0 एम0 अकरम, डा0 विक्रम अग्रवाल एवं उनकी चिकित्सीय टीम ने अपनी सेवायें दीं। जानकीकुण्ड चिकित्सालय के निदेशक डा0 ए0 बी0 एस0 राजपूत ने बताया कि चिकित्सालय द्वारा चिन्हित 116 मरीजों की डा0 युगल द्वारा हृदय की जांच की गई। जिसमें 82 पुरुष एवं 34 महिलायें थी। डा0 युगल मिश्रा के सम्मान में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय के कान्फ्रेंस हाल में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डा0 युगल मिश्रा ही रहे। कार्यशाला में डा0 एम0 इकराम, डा0 विक्रम अग्रवाल एवं उनकी टीम, मुख्य जिला चिकित्साधिकारी डा0 एस0पी0 गर्ग, प्रियम्बदा बिरला हास्पिटल के निदेशक डा0 संजय महेश्वरी, सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डा0 बी0के0 जैन, प्रशासक डा0 इलेश जैन, डा0 आलोक सेन, जानकीकुण्ड चिकित्सालय की मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 पूनम आडवानी, अधीक्षक डा0 ए0बी0एस0 राजपूत सहित अन्य चिकित्सक एवं स्टाफ उपस्थित रहा। डा0 राजपूत ने डा0 युगल मिश्रा का अभिनंदन करते हुये कहा कि ये विंध्य की मिट्टी में सतना जिले के रामपुर गांव में पैदा हुये, रीवा मेडिकल कॉलेज से एम0बी0बी0एस, एम0 एस एवं पी0एच0डी0 की पढ़ाई की। इन्होने नीदरलैण्ड, कोलम्बिया (यू0एस0ए0) में भी हृदय संबधी रोगों का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। ये हमारा सौभाग्य है कि इतने बड़े चिकित्सक की सेवायें जानकीकुण्ड चिकित्सालय में प्राप्त हुई है। डा0 संजय महेश्वरी ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुये कहा कि बहुत अच्छा लगता है जब कोई अपना बड़ी जगह में होने के बावजूद अपना बहुमूल्य समय सतना और चित्रकूट के लिये देता है। चित्रकूट की पावन भूमि शुरु से ही देने की भूमि रही है जहां भगवान राम ने 12 वर्ष का समय चित्रकूट को दिया। यहां जो भी आता है वो कुछ न कुछ देकर जाता है जिस तरह डा0 युगल ने अपनी सेवाऐं दी हैं। डा0 युगल सरल स्वाभाव के व्यक्ति हैं भारत में ही नहीं विश्व में इन्होने अपना और देश का नाम रोशन किया है। डा0 महेश्वरी ने हृदय सम्बन्धी डी0एन0बी0 कोर्स के लिये चित्रकूट एवं सतना में खोलने की ओर आकृष्ट कराया। कहा कि धन की कमी नहीं होगी चिकित्सक भेजें। डा0 युगल मिश्रा ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुये कहा कि आज के भौतिक युग में 50 प्रतिशत लोग हृदय रोग से प्रभावित हैं। विषेशकर जो लोग शुगर की बीमारी से पीड़ित हैं एवं धूम्रपान और शराब का सेवन करते हैं उन्हे हृदय रोग सम्बंधी रोग की ज्यादा संभावना होती है। उन्होने हृदय रोग की कई अहम जानकारियां एवं उनके निदान के बारे में बताया। उन्होने बताया कि धूम्रपान को बंद कर संतुलित भोजन एवं व्यायाम से हृदय की बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है। डा0 मिश्रा ने कहा कि सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय में लाखों की तादाद में ऑख की सर्जरी होती है। यहां पर हृदय सम्बंधी प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की अत्यन्त आवश्यकता है। पता नहीं कब किस समय जरूरत पड़ जाये। डा0 मिश्रा व्यक्तित्व की धनी है। इन्होने चिकित्सा क्षेत्र में कई अवार्ड भी प्राप्त किये हैं। राष्ट्रपति के द्वारा भी सम्मानित किया गया है। अन्त में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डा0 बी0के0जैन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि डा0 युगल सतना जिले की रौनक हैं। उन्होने कहा कि डा0 युगल चित्रकूट में भी हृदय रोग से सम्बधित शोध कार्य करे। उनके हर कार्य में सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट पूरा सहयोग देगा। जिससे यहां की गरीब जनता को इलाज के लिये बाहर न जाना पड़े। उन्होने डा0 युगल मिश्रा और उनकी टीम को चित्रकूट में आकर उनकी सेवाओं के लिये धन्यवाद दिया।

राजेन्द्र मिश्र
जानकीकुण्ड, चित्रकूट